हसीन लड़की से टक्कर फ़िर चूत चुदाई

“मेरे अंकल अस्पताल में थे, मैं उनकी सेवा कर रहा था कि वहीं मेरी टक्कर एक हसीं लड़की से हो गई जो अपनी मरीज की देखभाल कर रही थी. यह टक्कर उसकी कुंवारी चूत चुदाई में कैसे बदली… इस कहानी में पढ़िये !…”

Story By: Rahul choudhary (rchoudhary9795@antarvasnasexstories.com)
Posted: बुधवार, अक्टूबर 21st, 2015
Categories: कोई मिल गया
Online version: हसीन लड़की से टक्कर फ़िर चूत चुदाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हसीन लड़की से टक्कर फ़िर चूत चुदाई

मेरा नाम राहुल है, मेरी हाइट 5 फुट 6 इंच है और मेरी बॉडी ऐथलेटिक है। मैं फुटबॉल का बहुत अच्छा खिलाड़ी हूँ इसलिए मेरा स्टेमिना भी बहुत ही अच्छा है। मैं दिखने में आकर्षक हूँ और मेरा रंग बिल्कुल फेयर है।

यह किस्सा आज से 1 साल पहले शुरू हुआ था जो आज से एक महीने पहले तक चला।
मेरे अंकल का एक्सीडेंट हो गया था.. तो उनके एक पैर की हड्डी टूट गई थी और हाथ में भी फ्रेक्चर हो गया था.. तो उस दिन अंकल को लेकर हॉस्पिटल मैं और मेरे पापा गए थे।
पापा ने अंकल को वहाँ एडमिट करवा दिया और एक दिन रुकने के बाद वापस घर आ गए, अब मैं मेरे अंकल के पास अकेला था।
मैं खाना रोज घर से ही लाता था।
उस दिन जब मैं खाना लेकर अस्पताल में आया तो एक मोड़ पर एक तूफ़ान की स्पीड से आती हुई लड़की मुझसे टकराई।
हमारी टक्कर इतनी जबदस्त थी कि मैं उससे दूर जाकर गिरा। टिफिन भी मेरे हाथ से छूटा और दीवार पर जोर से टकराने की वजह से टूट गया था.. जिससे वहाँ पर सारा खाना बिखर गया।

मुझे गुस्सा आया और गुस्से से मैंने ऊपर देखा.. पर जब मैंने उसकी तरफ देखा तो मेरे होश उड़ गए।
मैं खुद को बहुत नसीब वाला समझ रहा था कि मैं ऐसे माल से टकराया और ‘सॉरी’ भी बार बार वो ही बोल रही थी।
इस टक्कर के कारण मेरी शर्ट पर सब्जी गिरने की वजह से दाग़ बन गया था.. उसने अपना रूमाल निकाला और उसे साफ़ किया। फिर भी वो ‘सॉरी’ पर ‘सॉरी’ बोले जा रही थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने उसके हाथ से रूमाल लिया और उसको बोला- ठीक है कोई बात नहीं..
वो- नहीं गलती मेरी है.. प्लीज मुझे माफ़ कर दीजिए।
शायद वो बहुत डरी हुई थी।
मैं- अरे आप जाइए.. आपको जल्दी थी तभी तो आप मुझसे टकराईं।
वो- थैंक्स एंड सॉरी अगेन..
मैं- प्लीज़ अपना रूमाल मुझे देती जाओ.. मुझे अपने कपड़े साफ़ करने हैं।

वो रूमाल मुझे देकर जल्दी से वहाँ से निकल गई.. उसने एक बार पीछे मुड़ कर भी नहीं देखा.. जो मुझे ज़रा बुरा सा लगा।
मैंने अपना टिफ़िन संभाला और अंकल के पास आ गया.. पर अब भी वो लड़की मेरे दिमाग में बार-बार घूम रही थी।

उसका बार-बार 'सॉरी' बोलना मुझे काफी परेशान कर रहा था। मैंने अंकल को खाना खिलाया और बाहर टहलने के लिए आ गया।
टहलना तो बस एक बहाना था.. बाकी मेरी नजर तो बस अब भी उसे ही तलाश कर रही थी। मैंने उसे बहुत देखा.. पर वो कहीं नहीं मिली।
मैं निराश होकर वापस आ गया था।

उस रात को भी उसकी उस टक्कर ने मुझे सोने नहीं दिया और मैंने जैसे-तैसे करके रात बिताई।
अगली सुबह मैं कुछ नई उम्मीदों के साथ उठा था। मैं जब अस्पताल के पार्क में घूमने गया तो वहाँ कुछ ऐसा देखा.. जिससे मुझे लगा जैसे मेरी जन्मों की दुआएँ मुक़्क़मल हो गई हों।

वो मेरे बिल्कुल सामने वाले बैंच पर बैठी हुई थी और उसके कानों में हेडफोन लगे हुए थे, वो अकेली बैठी थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं भी उसके सामने वाली बैंच पर बैठकर गाने सुनने लगा और उसके ऊपर देखने का इंतजार करने लगा।

मैं साथ ही कोई बहाना सोच रहा था कि जब ये मुझे देखेगी तो मैं कैसे इसके साथ बातचीत शुरू करूँगा.. मगर जब उसने अपनी गर्दन उठाई तो मुझे यक़ीन नहीं हुआ कि उसने एक बहुत ही अच्छी स्माइल दी और वहाँ से जाने के लिए खड़ी हो गई।

मुझे लगा कि मरवा दिया अब ये अन्दर जाएगी.. पर हुआ बिल्कुल उल्टा।
वो वहाँ से खड़ी होकर मेरी वाली बैंच पर आकर मेरे साथ बैठ गई।
मैं बस उसकी तरफ देख रहा था और उसमें बिल्कुल खो सा गया था।

वो- हैलो..
मैं- हैलो.. क्या नाम है आपका ?
वो- रोज़ी और आपका ?
मैं- राहुल.. राहुल चौधरी !
वो- और बताओ कैसे हो. ?
मैं- जी… बिल्कुल ठीक।
वो- सॉरी.. मेरी वजह से आपके कपड़े खराब हो गए।
मैं- कोई बात नहीं.. अब उस मसले पर बिल्कुल बात मत करो और बताओ करती क्या हो तुम ?

वो- मैं सीकर से हूँ और 12वीं में पढ़ती हूँ।
मैं- यहाँ कैसे ?
वो- मेरी आंटी को पेट में कुछ तक़लीफ़ है.. इसलिए कल मैं उन्हीं के लिए दवाई लेकर जल्दी में जा रही थी कि तभी आपसे टकरा गई।
मैं- क्या तक़लीफ़ है आंटी को ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो- ये तो नहीं पता.. पर यहाँ उनको 7-8 दिन और रखना पड़ेगा..

मैं- अरे वाह.. फिर तो बहुत अच्छा है
वो- कैसे ?
मैं- फिर तो तुम्हारा दीदार रोज होगा..
वो- क्या मतलब है तुम्हारा ?
मैं- मैं भी 7-8 दिन यहाँ रुकने वाला हूँ..
वो- वो क्यों.. ?
मैं- मेरे अंकल का एक्सीडेंट हुआ है.. इसीलिए मुझे यहाँ आना होता है..

उस दिन उसको काफी अच्छे से देखा और पता चला कि वो एक 18 साल की मस्त लड़की है.. इतनी गोरी कि आलिया भट्ट भी उसे डरते-डरते छुए.. कि कहीं मैं रोज़ी को मेला ना कर दूँ.. और उसका फिगर भी आलिया जैसा ही था।

उसने बातों-बातों में मुझे बता दिया कि उसके पापा तो सऊदी अरब में रहते और अंकल का जयपुर में ही जॉब है.. सो वो दिन में दो बार हमसे मिलने आते हैं।

फिर हम दोनों रोज उसी समय वहाँ पर आकर बातें करने लगे।
तीसरे दिन मैंने उससे नंबर मांगा.. उसने मुझे बिना कोई झिझक के अपना नंबर दे दिया।
अब हम अपना समय लगभग साथ में ही व्यतीत करने लगे थे।

एक दिन मैंने उससे कहा- तुम मुझे बहुत अच्छी लगती हो।
वो- वो क्यों ?
मैंने कहा- तुम बहुत खूबसूरत हो..
'तुम भी तो इतने हैण्डसम हो.. फिर तुम्हें मैं ही क्यों पसंद आई ?'
मैं- नहीं पता.. पर यार रोज़ी .. दिल से कह रहा हूँ कि तुम मुझे बहुत अच्छी लगती हो..।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इस प्रकार धीरे-धीरे हम एक-दूसरे के काफी करीब आ गए।

एक दिन मैंने उससे कहा- मैं तुमसे कहीं बाहर अकेले में मिलना चाहता हूँ।
उसने मना कर दिया और कहा- मैं कहीं बाहर नहीं जा सकती हूँ।
'क्यों ?'
उसने कहा- क्यों मिलना है तुम्हें मुझसे ?

मैंने अपने मन की सारी बातें उसके सामने रख दीं और उसने थोड़ी देर नानुकर करने के बाद रात में मिलने की बात पर 'हाँ' भर दी।

अब तो मैं बस रात होने का बेसब्री से इन्तजार करने लगा।
रात के 11 बजे मैंने उसे कॉल किया, उसने फोन अटेंड किया और बोली- मेरी आंटी के रूम में आ जाओ।
मैं- क्यों.. आंटी के सामने मिलेंगे क्या ?
वो- तुम बस आ जाओ..

मैं चुपचाप उसकी आंटी के कमरे में चला गया, वो बिस्तर पर बैठी मेरा इंतजार कर रही थी।
उसके पास ही उसकी आंटी सो रही थीं और वो बिल्कुल नींद में थीं।
मैंने उससे पूछा- तुम्हारी आंटी जाग गईं तो ?
वो बोली- तुम टेन्शन मत लो.. डॉक्टर ने इनको नशे की दवा दी है.. जिससे ये सुबह तक नहीं उठेगीं.. और पापा भी सुबह आएंगे।

मेंने उसको पकड़ा और पास वाले बिस्तर पर लेटा लिया।
मैंने एक और बार पक्का करने के लिए उसकी आंटी की तरफ देखा.. तो उसने मेरे मुँह को अपनी तरफ करके अपने होंठ उसमें मिला दिए।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसके होंठों में वो रस था.. जो आज से पहले मैंने कभी किसी भी चीज़ में पाया ही नहीं था।
मैं और वो एक-दूसरे के होंठ खाने को बेताब थे.. कभी वो मेरा ऊपर वाला होंठ खाती.. तो कभी मैं उसके नीचे वाला होंठ चूसता।
मेरे दोनों हाथों में उसके बड़े-बड़े मम्मे थे.. जिनको मैं लगातार जोर से दबा रहा था.. वो सिस्कारियाँ ले रही थी।

करीब 15 मिनट बाद मैंने उसकी गर्दन बालों से खींचकर ऊपर उठाई और उसे बेइंतहा चूमने लगा।
वो अब मुझे किस करना छोड़कर बस अपने ऊपर खींच रही थी और किसी बेल की तरह बिल्कुल मुझसे लिपटी हुई थी।
मैंने उसका कुरता ऊपर उठाया और उसके मम्मों को चूमने लगा.. पर वो मुझे ठीक से चूमने नहीं दे रही थी।

मैंने उसको उल्टा किया और उसको पीछे से चूमने लगा। अब वो गर्म ही रही थी और कुछ ज्यादा ही सांप की तरह पलटियाँ ले रही थी।
थोड़ी देर में मैंने उसका कुरता निकाल दिया और और उसकी सलवार में हाथ डाल दिया।
उसकी पैन्टी पूरी तरह भीग चुकी थी। मैंने जैसे ही हाथ उसकी चूत पर लगाया.. तो पाया कि उसकी चूत लंड लेने को बिल्कुल तैयार है।

उसने मेरा हाथ खींचकर बाहर निकाल दिया।
मैंने उसको किस करते-करते इतना गर्म कर दिया कि वो खुद अपना हाथ चूत पर ले जाने को मजबूर हो गई और इसी बीच मैंने उसकी सलवार खोल दी।

अब मैंने जल्दी-जल्दी अपने कपड़े उतार दिए और सिर्फ अंडरवियर में रह गया और वो भी सिर्फ ब्रा और पैन्टी में थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हॉस्पिटल की बाहर से आती हुई धीमी रोशनी में उसका दूधिया बदन चमक रहा था।
मेरा अपने आप पर बिल्कुल भी कंट्रोल नहीं रहा था और मैं बिल्कुल बेकाबू सांड की तरह हो गया था।

मैंने एक ही झटके में उसकी पैन्टी और ब्रा उतार दी। अब वो पिछले 7 दिन से मेरी निगाहों से तराशा हुआ हीरा मेरे सामने नंगा पड़ा.. अपनी चमक बिखेर रहा था।
मैंने उसके मम्मों को छोड़ते हुए सीधे उसकी चूत की तरफ अपना मुँह ले गया और हल्के भूरे बालों वाली सुनहरी चूत को चाटने लगा।
उसकी चूत की महक मुझे पागल कर रही थी और मैं उसमें अपनी जुबान घुसाता ही जा रहा था।

अब वो जोर-जोर से सीत्कार कर रही थी। हम दोनों को बिल्कुल होश नहीं था कि हमारे पास कोई और भी सो रहा था।
मैंने उसकी चूत चाट-चाट कर बिल्कुल चिकनी कर दी थी और अब वो इतनी गर्म थी कि मेरे चाटने के साथ-साथ अपनी ऊँगली अपनी चूत पर ला रही थी।

मैं समझ गया कि अब लोहा बिल्कुल गर्म हो गया है और वार किया जा सकता है।
मैंने उस तपती और तड़पती हुई चूत को छोड़कर अपना लंड उसके हाथ में दे दिया।

उसने पहली बार मेरे लंड को देखा। वो डर कर कुछ पीछे हट गई और मेरे लण्ड को देखकर अपने मुँह पर हाथ रख लिया।
वो- यह क्या है ?
मैं- वो ही है जो तूम्हारी चूत को इस समय चाहिए..
वो अपनी चूत की तरफ देखते हुए बोली- क्या.. मैं तुम्हें पागल दिखती हूँ.. इतना बड़ा लूँगी.. यह तो मुझे मार ही देगा..!
मैं- नहीं बेबी.. कुछ नहीं होगा.. आज तक दुनिया में लन्ड को लेने से कोई लड़की नहीं

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मरी..
कहते हुए मैंने अपना लंड उसके हाथ में दे दिया।

वो उसको धीरे-धीरे आगे-पीछे करने लगी।
मैंने उसे चूसने को कहा.. तो उसने साफ़ मना कर दिया और मैंने ज्यादा जिद ना करते हुए उसको सीधा लिटाया और उसके ऊपर चढ़ गया।

मैंने लौड़े पर स्ट्रॉबेरी फ्लेवर वाला कण्डोम लगाया और उसकी छोटी सी बेचैन सी फुद्दी पर फेरने लगा.. पर वो इतनी गर्म थी कि धीरे-धीरे मेरे कानों में कह रही थी- प्लीज़ जल्दी से डालो न..
मैंने अपना 7 इंच का लंड उसकी फुद्दी पर रखकर जोर से झटका मारा, मैंने आधे से ज्यादा लंड उसकी चूत में डाल दिया था।
मेरी उसकी तरफ देखा तो उसकी आँखें पूरी तरह भर चुकी थीं, दांत भींचे हुए थी उसके चेहरे से अपार पीड़ा साफ़ दिख रही थी।

तभी मैंने महसूस किया कि वो रो रही है और मुझे अपने ऊपर से हटाने के धक्का दे रही है। मैं हैरान था कि वो इतना दर्द कैसे सह गई, असल में उसने उस वक्त अपने मुँह पर अपना हाथ लगा रखा था।

मैंने अपने लंड को बाहर निकाल कर उसको चुम्बन करने शुरू कर दिए.. कुछ पलों के बाद उसका दर्द कुछ कम हुआ तो वो भी मुझे किस करने लगी और काटने लगी।
तभी मैंने अपना लंड उसकी लाल हो चुकी चूत पर और दबाया.. और एक ही झटके में सारा अन्दर तक उतार दिया।

इस बार रोज़ी के होंठ पर मेरे होंठ पहले से जमे हुए थे और इसके मुँह से निकलने वाली आवाज मुझमे. समां गई थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अबकी बार उसको होने वाला दर्द शायद कुछ कम था.. क्योंकि उसकी सील तो पहले ही झटके में टूट चुकी थी।
दो मिनट यूँ ही रुकने के बाद वो मुझे अपनी तरफ खींचने लगी।
मैंने भी उस पर जोरदार झटकों की बारिश कर दी।
उसको अब भी दर्द हो रहा था मगर इससे ज्यादा तो उस दर्द में उसको मजा आ रहा था।

लगभग 5 मिनट इसी पोजीशन में चोदने के बाद मैंने उसकी दोनों टाँगें ऊपर कर लीं और उसे जोर-जोर से चोदने लगा। वो अपनी आँखें बंद करके इस जन्नत की सैर करवाने वाली चुदाई का मजा ले रही थी।
काफ़ी देर तक चली इस चुदाई में उसको झाड़ने के बाद मैं भी उसकी चूत में कन्डोम में ही झड़ गया।
मुझे ऐसा लगा जैसे मुझे किसी ने ऊपर से नीचे फेंका हो।

मेरे जिस्म का कोई भी हिस्सा काम नहीं कर रहा था, मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था।

हम दोनों उसी अवस्था में देर तक पड़े रहे.. फिर मैंने अपना वीर्य से भरा हुआ कन्डोम निकाला और उसे बाहर फेंक दिया। मैं जितनी देर उसके ऊपर पड़ा रहा.. उतनी देर वो मुझे किस करती रही थी।
उसके बाद हमने उसक पलंग की चादर दूसरे मरीज की चादर से बदल दी।

फिर तीसरे दिन उसकी आंटी को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई और वो अपने घर चली गई।
उसने सीकर पहुँच कर मुझे कॉल किया। मैंने कई बार सीकर में जाकर उसे अलग-अलग होटल में बहुत बार चोदा।
उसके बाद किसी की वजह से हमारी रिलेशनशिप टूट गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रोज़ी यदि तुम इस कहानी को पढ़ रही हो तो प्लीज़ मेरी भावनाओं को समझना मैं तुम्हें बहुत मिस कर रहा हूँ..

मित्रों आप अपने कमेन्ट मेरी मेल आईडी पर जरूर लिखें।

rchoudhary9795@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kama Kathalu

URL: www.kamakathalu.com **Average traffic per day:** 27 000 GA sessions **Site language:** Telugu **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Telugu sex stories.

Kannada sex stories

URL: www.kannadasexstories.com **Average traffic per day:** 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.

Indian Pink Girls

URL: www.indianpinkgirls.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India A Sexy Place for Indian Girls. It's first of it's kind launched for Indians. Find everything you read, watch and hear with respect to the women's perspective.

Indian Phone Sex

URL: www.indianphonesex.com **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Bengali, Kannada, Gujarati, Marathi, Punjabi, Malayalam **Site type:** Phone sex **Target country:** India Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all Indian languages.

Urdu Sex Videos

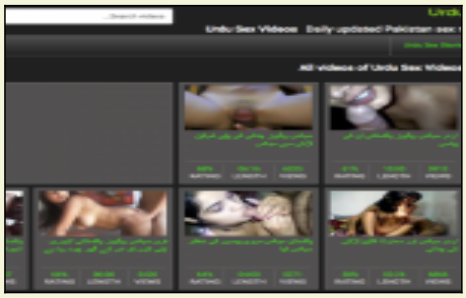

URL: www.urduchudai.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Urdu **Site type:** Video **Target country:** Pakistan Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Antarvasna

URL: www.antarvasnasexstories.com **Average traffic per day:** 480 000 GA sessions **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Best and the most popular site for Hindi sex stories about Desi Indian sex.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire